जिन्न की दुनिया (2 का भाग 1)

रेटिंग:

विविरण: ?????? ?? ?? ???? "?????" ?? ?????? ??? 1: ???? ????, ?????? ?? ??????????

श्रेणी: पाठ > इस्लामी मान्यताएं > आस्था के अनुच्छेद

द्वारा: Imam Mufti (© 2013 NewMuslims.com)

प्रकाशित हुआ: 08 Nov 2022

अंतिम बार संशोधित: 07 Nov 2022

उद्देश्य

·जिन्न के जीवन और क्षमताओं के बारे में जानना।

·जिन्न की कमजोरियों के बारे में जानना।

अरबी शब्द

·*?????* - अल्लाह की एक रचना जो मानवजाति से पहले धुआं रहित आग से बनाई गई थी। उन्हें कभी-कभी आत्मा, बंशी, पोल्टरजस्टि, प्रेत आदि के रूप में संदर्भित किया जाता है।

·*??????* - अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर सुन्नत शब्द के कई अर्थ हैं, हालांकि आम तौर पर इसका अर्थ है जो कुछ भी पैगंबर ने कहा, किया या करने को कहा।

इंसानों और स्वर्गदूतों की तरह ही जिन्न अल्लाह की एक अलग रचना है। वे इंसानों की तरह सोच सकते हैं और अच्छा या बुरा रास्ता चुन सकते हैं, लेकिन इंसानों के विपरीत, जिन्नों को आग से बनाया गया है (क़ुरआन 15:27, 55:15)। इसके अलावा, जिन्न आम तौर पर इंसानों को दिखाई नही देते हैं (क़ुरआन 7:27) और उनमें कुछ विशेष क्षमताएं होती हैं जो इंसानों के पास नहीं होती हैं।

जिन्न पर विश्वास करना वैकल्पिक नहीं है। चूंकि क़ुरआन और पैगंबर की सुन्नत में उनका उल्लेख किया गया है, मुसलमान को उनके अस्तित्व पर और दो इस्लामी स्रोतों से मिलने वाली जानकारी पर विश्वास करना चाहिए।

जिन्न का जीवन

इंसानों की तरह जिन्न भी धरती पर रहते हैं, लेकिन वे अक्सर खंडहरों और शौचालयों और कब्रिस्तानों जैसी अशुद्ध जगहों में पाए जाते हैं। वे छाया और धूप के बीच रहना पसंद करते हैं।

सभी जिन्न एक जैसे नहीं होते। उनमें अच्छे और बुरे जिन्न होते हैं। अल्लाह ने क़ुरआन में उल्लेख किया है कि जिन्नो ने अपने बारे में क्या कहा:

“और हममें से कुछ सदाचारी हैं और हममें से कुछ इसके विपरीत हैं। हम विभिन्न प्रकारों में विभाजित हैं।” (क़ुरआन 72:11)

जिन्न मुस्लिम और गैर-मुस्लिम होते हैं।

“और ये कि हममें से कुछ मुस्लिम (आज्ञाकारी) हैं और कुछ अत्याचारी हैं। तो जो आज्ञाकारी हो गये, तो उन्होंने खोज ली सीधी राह।” (क़ुरआन 72:14)

जिन्न खाते-पीते हैं, कभी-कभी हमारे साथ भी। उन्हें अपने साथ खाने-पीने से दूर रखना आसान है, इसके बारे मे हम बाद में जानेंगे। वे शादी भी करते हैं और उनके बच्चे भी होते हैं। अल्लाह ने क़ुरआन में जिन्न के बच्चों का उल्लेख किया है, "... तो क्या तुम उसे और उसकी संतति को सहायक मित्र बनाते हो, मुझे छोड़कर?" (क़ुरआन 18:50)

जिन्न हमेशा जिन्दा नहीं रहते, उनकी भी मृत्यु होती है। पैगंबर अपनी एक प्रार्थना में कहते थे, "**मैं आपकी महिमा की शरण लेता हूं, आपके अलावा कोई सच्चा ईश्वर नहीं है, जो कभी नहीं मरता, और इंसान और जिन्न मर जाते हैं।**" (सहीह अल-बुखारी)

जिन्न सांप, काली बिल्ली, काले कुत्ते का रूप ले सकते हैं और कभी-कभी वे मानव रूप धारण कर सकते हैं।

जैसा कि क़ुरआन में उल्लेख किया गया है, जिन्न के पास सवारी करने वाले जानवर भी हैं:

“तू उनमें से जिसे हो सके, अपनी ध्वनि से बहका ले और उनपर अपनी सवार सेना चढ़ा ले...” (क़ुरआन 17:64)

जिन्न की क्षमता

इंसानों की तुलना में, जिन्न में कुछ विशेष क्षमताएं होती हैं। पहला, वे बहुत तेजी से यात्रा कर सकते हैं। क़ुरआन में अल्लाह हमें बताता है:

"कहा एक अतिकाय ने, जिन्नों में सेः मैं ला दूँगा, आपके पास उसे, इससे पूर्व कि आप खड़े हों अपने स्थान से और इसपर मुझे शक्ति है, मैं विश्विसनीय हूं।” (क़ुरआन 27:39)

वे आसमान तक पहुंच सकते हैं जैसा कि क़ुरआन में कहा गया है:

“तथा हमने स्पर्श किया आकाश को, तो पाया कि भिर दिया गया है प्रहरियों तथा उल्काओं से।“ (क़ुरआन 72:8)

वे विभिन्न आकार ले सकते हैं, जैसा ऊपर बताया गया है। दुष्ट जिन्न - शैतान - मानव शरीर पर कब्जा कर सकते हैं। वे विचारों को फुसफुसा सकते हैं और मनुष्यों को प्रभावित कर सकते हैं:

“भ्रम डालने वाले (मनुष्यों के दिलों में बुराई फुसफुसाने हुए) और छुप जाने वाले (अल्लाह को याद करने वाले के दिल में फुसफुसाते हुए) की बुराई से।” (क़ुरआन 114:4)

जिन्न की कमजोरी

भले ही दुष्ट जिन्न - शैतानों - में विशेष क्षमताएं होती हैं, एक आस्तिक की रक्षा अल्लाह करता है। अल्लाह की अनुमति के बिना शैतान एक नेक मुसलमान को नुकसान नहीं पहुंचा सकता।

“वास्तव में, जो मेरे भक्त हैं, उनपर तेरा कोई वश नहीं चल सकता और उनके पालनहार का उनका सरंक्षक होना ही पर्याप्त है।” (क़ुरआन 17:65)

उनकी सीमित शक्तियों के कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं:

1. वे कुछ विश्वासियों से डरते हैं।

“वास्तव में, जो मेरे भक्त हैं, उनपर तेरा कोई वश नहीं चल सकता और उनके पालनहार का उनका सरंक्षक होना ही पर्याप्त है।” (क़ुरआन 17:65)

“आस्तकि शैतान को वैसे ही कमजोर बनाता है जैसे आप में से कोई यात्रा के दौरान अपने ऊंट को कमजोर करता है।" (मुसनद)

2. पैगंबर ने कहा कि अगर हम अपने बर्तनों को '**बिस्मिल्लाह**' कहकर ढकें, तो शैतान ढक्कन नहीं हटा सकते। इसी तरह, अगर हम '**बिस्मिल्लाह**' कहकर दरवाजा बंद करें तो वे घर में प्रवेश नहीं कर सकते।’

“यदि कोई व्यक्ति अपने घर में घुसते समय और भोजन करने से पहले अल्लाह का नाम लेता है, तो शैतान कहता है, 'आज यहां मेरे लिए कोई आवास नहीं है और न ही यहां भोजन है।' लेकिन अगर व्यक्ति अपने घर में घुसते समय अल्लाह का नाम नही लेता है, तो शैतान कहता है, 'मैंने अपने लिए आवास ढूंढ लिया है।' और अगर वह खाना खाने से पहले अल्लाह का नाम नहीं लेता है, तो शैतान कहता है 'मुझे रहने और खाने की जगह मिल गई है।' (सहीह मुस्लिम, मुसनद)

3. वे विभिन्न रूप ले सकते हैं, लेकिन वे पैगंबर मुहम्मद का रूप नहीं ले सकते। पैगंबर ने कहा,

“जो भी मुझे स्वप्न में देखता है, उसने सचमुच मुझे देखा, क्योंकि शैतान मेरा रूप नही ले सकता।" अबू 'अब्दुल्ला ने कहा, "इब्न सिरिन ने कहा, 'सिर्फ यदि वह पैगंबर को उनके वास्तविक रूप में देखे।" (साही अल-बुखारी)

4. वे आसमान से जानकारी इकट्ठा नहीं कर सकते क्योंकि उन्हें वहां तक पहुंचने से रोक दिया गया है, जैसा कि अल्लाह कहता है:

“वास्तव में, वे तो इसके सुनने से भी दूर कर दिये गये हैं।” (क़ुरआन 26:212)

5. इंसानों की तरह, जिन्नों को भी क़ुरआन के समान कुछ बनाने की चुनौती दी गई थी, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाए और न ही कर पाएंगे:

आप कह दें: यदि सब मनुष्य तथा जिन्न इसपर एकत्र हो जायें कि इस क़ुरआन के समान ले आयेंगे, तो इसके समान नहीं ला सकेंगे, चाहे वे एक-दूसरे के समर्थक ही क्यों न हो जायें!” (क़ुरआन 17:88)

इस लेख का वेब पता

https://www.newmuslims.com/hi/articles/184

कॉपीराइट © 2011 - 2024   NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।